

शं क श त्रि पु जा को

आशा अरुण
ASHA ARCHIVES

1.736

[illegible][illegible]

गुणामृत्तिकर्तृतात्तत्त्वं न विनश्यत ॥ गतायागयूत्रयत ॥ मूल
मत्तुन ॥ न ॥ यागयूत्र २ ॥ यागयूत्रविर्गक २ ॥ स्त्रोहा ॥
न ॥ वृक्षाद्यय ॥ संरक्षायादि ॥ गता ॥ प्रसाधन ॥ गिकट
मूडायागिकाने ॥ विलिरया ॥ न ॥ जांजां द ॥ वृक्षादिमत्तुन
विलिरया ॥ म ॥ अनेकात्रयं ययुलयेन समालिरया ॥ तन्म (धः
मां कारीलिरया ॥ म ॥ अयुक् ॥ न ॥ म ॥ जांजां द ॥ जांजां द ॥ क ॥ व ॥ त्रीवि

[illegible]

नमः ॥ **ह्रीं** लिङ्ग ॥ **कृ** नमो ॥ **कृ** ददया ॥ **कृ** क ॥ **कृ** ललाट ॥ न
 ननरुत ॥ **ह्रीं** ॥ **न** मय ॥ **कृ** नमो ॥ **कृ** नमो ॥ **कृ** नमो ॥ **कृ** नमो ॥ **कृ** नमो ॥
 यनमः ॥ **न** चन्दन ॥ **ह्रीं** ॥ **कृ** नमो ॥ **कृ** नमो ॥ **कृ** नमो ॥ **कृ** नमो ॥ **कृ** नमो ॥
 मोहनी ॥ **ह्रीं** ॥ **कृ** नमो ॥ **कृ** नमो ॥ **कृ** नमो ॥ **कृ** नमो ॥ **कृ** नमो ॥
 ता ॥ यं च वलिदशात ॥ विन्दुगया ॥ ॥ **ह्रीं** ॥ **कृ** नमो ॥ **कृ** नमो ॥ **कृ** नमो ॥
 योदाडाणिवलिविर्यो ॥ धरुधनकाय यथ ॥ कृ नमो ॥ **कृ** नमो ॥ **कृ** नमो ॥
 वधि मद तु लिखा कयाय ॥ १

यजायादद॥ ॥ यज्ञासनाय॥ ॥ सिद्धासनाय॥ ॥
 धन॥ ॐ वक्षस्वरासनि गिनगययधनना॥ ॥
 वायधनागभगनलरुविता॥ ॥ नूरयाविन्दकायके यकुंहीर
 वित्राजिन॥ कमुत्रिधगजा॥ ॥ ॐ मन्त्रयधनां सुधे॥ ॥
 लवत्रद॥ ॐ वदधतीदकवासया॥ ॥ सिद्धयस्ययनाधनाहा
 गलकालमधिनी॥ ॥ ॐ मन्त्रयधनां सुधे॥ ॥ ॐ वदधतीदकवासया॥ ॥

ॐ हादि अतितामहादि वक्ष्यामि दिन पूजा वलि ॥ २
 त्रीनमस्तुदा ॥ विष्णु ॥ नृध्यातु यज्ञवगीतिरुकात्रादिसकात्रानं
 नयजायाया वलि ॥ ५ ॥ गतादेवीदक्षिणरुद्रसिद्धिजन
 ॥ आधात्रादि नृध्यातु विष्णुजन ॥ **न १ का सो ४** गियनसुन्दरी
 वा (गुटी **वा** तुष्टा किरियनम ४ पीयादकीयडा यामिनम ४ ॥
न १ का सो ४ गियनसुन्दरी कामध्वनीदेवी **वा** तुष्टा किरिया
 यनम ४ ॥ नवमस्तु वलि ॥ ॥ देवीवा **वा** मरागामहाल

श्रीयजन ॥ **न १** सिंहासनायनम ४ ॥ **न १** नृध्यातु नृमाधव नद
 वामलक्ष्मीमहाल श्रीविष्णुयाय ॥ **न १ का सो ४** गियनसुन्दरी
 लालश्रीदेवीयनम ४ ॥ विष्णु ॥ वलि ॥ ॥ गतादेवी नृगुरु
 गवतीयजन ॥ **न १ का सो ४** गियनसुन्दरी **वा** तुष्टा किरिया
 ती **वा** तुष्टा किरियायनम ४ ॥ **न १** वलि ॥ ॥ गता
 देवी **वा** तुष्टा किरियायनम ४ ॥ **न १** वलि ॥ ॥ गता

ARCHIVES

736

THE NATIONAL ARCHIVES

1.736	
P. 1.736	

ASHMA ARCHIVES

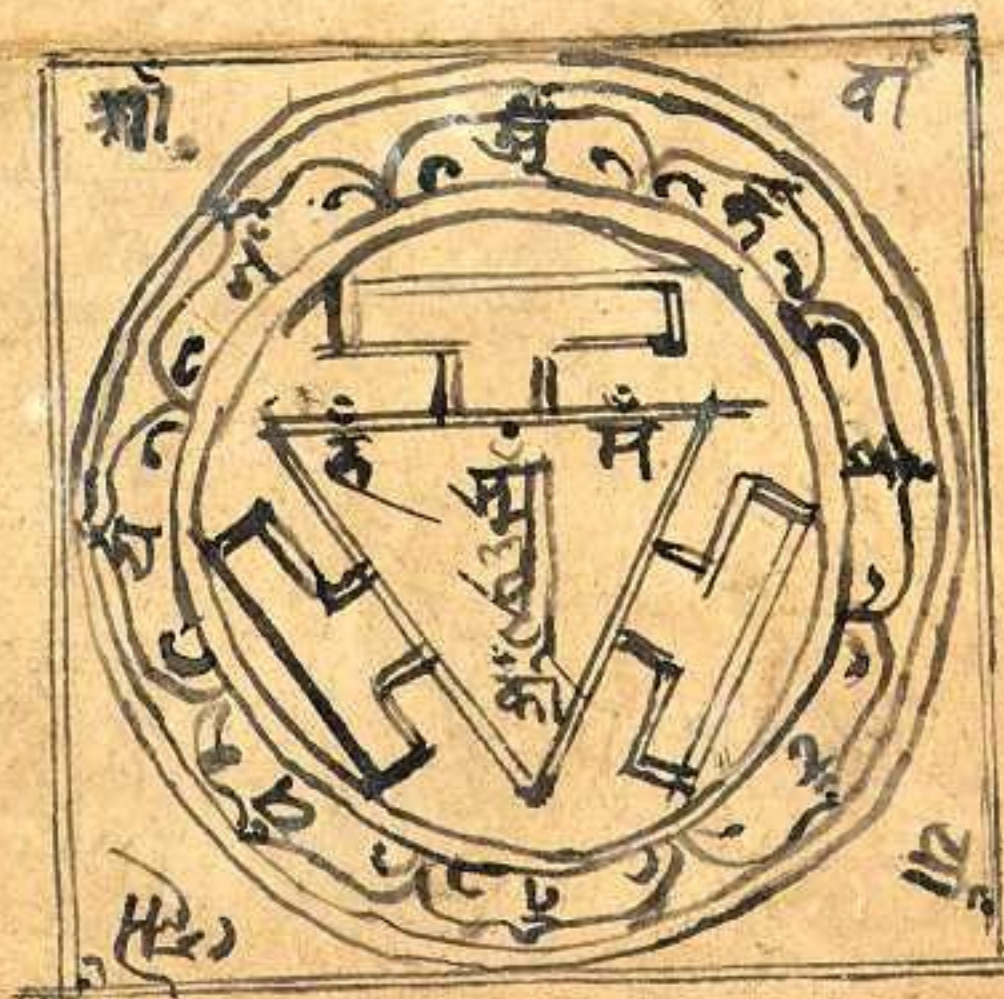
2

व. नि.

दवीनवजीववधूकनिगा४॥ कलुवेकलुया४॥ किल्यानः
वगात्रलीगिनयल्लमंकाववीजारुवा॥ गाकसुवधवाहनी
रुगवती४॥ लीचलुया॥ गल्वत्रीयायाडवत्रमल्वत्रीरुगवतीः
लीदवीमंकल्वत्री॥ कृशनीकृशनाथं गिउवननमितामूरुमंरु
त्रवर्णं रूतानीनाथत्रडं किलिकिलिगत्रवं वायूरुशायवदं।
सर्वदं सर्वरावं सकलमुलनिधिं सर्वसुक्रयसं कवः

[illegible]

वेदवादि वलिविय ॥ साक्रीभय ॥ ॐ तिर्म कश्चरीय जावि
 धिसमाय ॥ ॥ गुरुममु सर्वदा कल्याणमस्तु ॥ ॥







मिश्रात्राय नमो श्रीनारायण क्षीरवत् सा शिरा